बिहार में एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच रहा सीएसआर फंड

जागरण संवाददाता, पटना : देश में कुल संग्रहीत कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) फंड का एक प्रतिशत भी बिहार नहीं पहुंच पाता है। जबकि देश की आबादी के लगभग नौ प्रतिशत लोग इस राज्य में रहते हैं।

स्वतंत्र एजेसियों की रिपोर्ट के आधार पर बिहार का इस फंड पर सबसे ज्यादा अधिकार बनता है। उक्त बातें चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में शनिवार को कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी-2022 पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डा. एस सिद्धार्थ ने कही। उन्होंने कहा कि सीएसआर प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, यह केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते डा. एस सिद्धार्थ। ● जागरण

विशिष्ट अतिथि टाटा स्टील के कार्पोरेट सस्टेनेबिलिटी हेड डा. हिशमी जमील हुसैन ने सीएसआर में टाटा ने योगदान तथा सीएसआर मिशन से समाज को होने वाले लाभ की जानकारी दी। प्रधान सचिव ने सीआइएमपी द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन किया।

उभरती अर्थव्यवस्था में सीएसआर की भूमिका अहम

इंग्लैंड के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट सर्विसेज के अध्यक्ष डा. कालिन काल्सन थामस ने वर्चुअल संवाद में कहा कि भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था में सीएसआर की भूमिका अहम है। भारत में एक बड़ी आबादी देश की अर्थव्यस्था की तुलना में विकास नहीं कर रही है। इन लोगों को सीएसआर फंड के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा सकता है। पैनल चर्चा में टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड के सीईओ मनोज कुमार गुप्ता, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष एस सुधाकर, जुबिलेंट इंग्रेविया, डा. विवेक प्रकाश, यूनिसेफ बिहार के विशेषज्ञ प्रभाकर सिन्हा शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने किया।

Dainik Jagran ! Page No - 04 ! Date - 11-12-2022 !

सीआईएमपी : सीएसआर प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी

पटना। चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान के सीएसआर अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी-2022 पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस. सिद्धार्थ आईएएस ने कहा कि सीएसआर प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यह केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है। उनकी मूल टैगलाइन सीएसआर हमारा थीम है। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ हिशमी जमील हुसैन, कार्पोरेट सस्टेनेबिलिटी हेड, टाटा स्टील ने उल्लेख किया कि कैसे टाटा ने योगदान दिया है। समाज के रूप में हम सीएसआर मिशन में कैसे योगदान दे सकते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सर्विसेज के अध्यक्ष डॉ. कलिन कल्सन-थॉमस ने अपने व्यक्तिगत ज्ञान और अनुभव को साझा किया। सम्मेलन के पहले दिन तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों के प्रस्तुतकर्ताओं ने हाइब्रिड मोड में अपने पेपर प्रस्तुत किए। सम्मेलन में एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें सीईओ-टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड, मनोज कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष (कार्पोरेट सचिवीय), रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. एस. सुधाकर, वीपी और प्रमुख, सीएसआर, जुबिलेंट इंग्रेविया, डॉ. विवेक प्रकाश, वाश विशेषज्ञ, यूनिसेफ बिहार प्रभाकर सिन्हा ने भाग लिया। पैनल चर्चा का संचालन सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ एस. सिद्धार्थ, आईएएस ने सीआईएमपी द्वारा दो पुस्तक प्रकाशनों का विमोचन भी किया। पहली पुस्तक रुसेन कुमार और कुमोद कुमार, सीएओ, सीआईएमपी द्वारा लिखी गई है। वहीं दूसरी पुस्तक फादर जोस कलापुरा, प्रो. राजीव रंजन और कुमोद कुमार द्वारा लिखी गई है।

Rashtriya Sahara ! Page No- 04 ! Date - 11-12-2022 !

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

पटना(आससे)। चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के सीएसआर अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी 2022 पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ आईएएस ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सीएसआर प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और यह केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है। उनकी मूल टैगलाइन 'सीएसआर हमारा है' थी। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. हिशमी जमील हुसैन, कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी हेड, टाटा स्टील ने उल्लेख किया कि कैसे टाटा ने योगदान दिया है और समाज के रूप में हम सीएसआर मिशन में कैसे योगदान दे सकते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सर्विसेज के अध्यक्ष डॉ. कॉलिन कॉल्सन-थॉमस ने अपने भाषण में अपने व्यक्तिगत ज्ञान और अनुभव को साझा किया और इस सत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन के पहले दिन 3 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों के प्रस्तुतकर्ताओं ने हाइब्रिड मोड में अपने पेपर प्रस्तुत किए। सम्मेलन के हिस्से के रूप में एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें सीईओ-टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड, मनोज कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष (कॉर्पोरेट सचिवीय), रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एस सुधाकर, वीपी और प्रमुख, सीएसआर, जुबिलेंट इंग्रेविया, डॉ विवेक प्रकाश, वाश विशेषज्ञ, यूनिसेफ बिहार प्रभाकर सिन्हा ने भाग लिया। पैनल चर्चा का संचालन सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने किया।

Aaj ! Page No - 08 ! Date - 11-12-2022 !

एक फीसदी भी नहीं पहुंच रहा सीएसआर फंड

सीआइएमपी में सीएसआर पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेनल का डा. एस सिद्धार्थ ने किया शुभारंभ

patna@inext.co.in

PATNA (10 Dec) :देश में कुल संग्रहीत कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) फंड का एक प्रतिशत भी बिहार नहीं पहुंच पाता है. जबकि देश की आबादी के लगभग नौ प्रतिशत लोग इस राज्य में रहते हैं. स्वतंत्र एजेसियों की रिपोर्ट के आधार पर बिहार का इस फंड पर सबसे ज्यादा अधिकार बनता है. उक्त बातें चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में शनिवार को कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी-2022 पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डा. एस सिद्धार्थ ने कही. उन्होंने कहा कि सीएसआर प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, यह केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है. विशिष्ट अतिथि टाटा स्टील के कार्पोरेट सस्टेनेबिलिटी हेड डा. हिशमी जमील हुसैन ने सीएसआर में टाटा ने योगदान तथा सीएसआर मिशन से समाज को होने वाले लाभ की जानकारी दी. प्रधान सचिव ने सीआइएमपी द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन किया.

उभरती अर्थव्यवस्था में सीएसआर की भूमिका अहम

इंग्लैंड के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट सर्विसेज के अध्यक्ष डा. कालिन काल्सन थामस ने कहा कि भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था में सीएसआर की भूमिका अहम है. भारत में एक बड़ी आबादी देश की अर्थव्यस्था की तुलना में विकास नही कर रही है. इन लोगों को सीएसआर फंड के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा सकता है. हर व्यवस्था में कुछ खामी होती है. अनुभव के आधार पर कम करना होता है. चर्चा में टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड के सीईओ मनोज कुमार गुप्ता, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष एस सुधाकर, जुबिलेंट इंग्रेविया, डा. विवेक प्रकाश, यूनिसेफ बिहार के विशेषज्ञ प्रभाकर सिन्हा शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने किया.

आबादी के अनुसार मिले सीएसआर फंड

पटना। बिहार की आबादी के हिसाब से सीएसआर फंड कंपनियों को देना चाहिए। ये बातें चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के सीएसआर अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी 2022 पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहीं। मौके परडॉ. हिशमी जमील हुसैन, डॉ. कॉलिन कॉल्सन-थॉमस, मनोज कुमार गुप्ता, एस सुधाकर, जुबिलेंट इंग्रेविया, डॉ. विवेक प्रकाश, प्रभाकर सिन्हा, प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने भी विचार रखे।

Hindustan !
Page No - 09 !
Date - 11-12-2022 !